6. तकनीकी और व्यवस्था संबन्धी योग्यता प्राप्त उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देना जिससे उद्योग सक्षम व्यक्तियों के हाथों में रह सके ;
7. लघु उद्योगों के लिए अनिवार्य रूप से प्रमुख आंकड़े एकत्र करना ;
8. औद्योगिक विस्तार सेवा को सुदृढ़ करना तथा मूलभूल कच्चे माल, वित्त आदि आवश्यक साधनों की पूर्ति करना ; और
9. सेवा करने की किस्म की औद्योगिक सहकारी समितियों को बढ़ावा देना ।

(ग) इस के कारण उद्यम संबंधी कोशल, अवस्थापना सुविधाओं तथा बिक्री निकासी का अभाव होता है ।

कम्पनियों के विरुद्ध दायर किये गये मुकदमें

*285. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या **औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मंत्री 10 दिसम्बर, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 4036 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1966-67 तथा 1967-68 में समवाय अधिनियम के अन्तर्गत जांच करते समय करापवंचन तथा भ्रष्टाचार के संबंध में संदिग्ध प्रविष्टियों का पता लगा था ;

(ख) यदि हां, हो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) समवाय-कार्य विभाग के कृत्यों का ब्यौरा क्या है ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख) . कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत जांच-पड़ताल के मध्य यदि इस प्रकार के विषयों की कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह केवल प्राथमिक तथा अन्वीक्षात्मक प्रकृति की होती है तथा वह इस विभाग द्वारा आयकर विभाग अथवा पुलिस को, जैसा भी मामला हो, आगे जांच करने तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दी जाती है । प्रथम दृष्टियां, संदेहजनक प्रतीत सामग्री, कुछ थोड़े से मामलों में प्राप्त हुई है, परन्तु जब तक इसकी सम्बन्धित विभाग द्वारा परीक्षा अथवा सम्यापन नहीं किया जाता, इसके ब्योरों को प्रकट करना संबन्धित विभाग द्वारा आगे की गई जांच के हितार्थ उचित नहीं होगा ।

(ग) कम्पनी कार्य विभाग के कार्य-कलाप, सामान्य रूप से कम्पनी अधिनियम का लागूकरण एवं स्वस्थ निगम प्रक्रियायें सुनिश्चित करना है ।

पूर्व रेलवे में चलती गाड़ियां में डकैतियां तथा हत्याएं बढ़ जाना

*286. **श्री शिव चंडिका प्रसाद** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत पांच छः महीनों में बिहार के कई भागों में चलती गाड़ियों में मारपीट करने, लूटने और हत्याओं की घटनाओं में वृद्धि हो गयी है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये और यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध करने हेतु सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभाग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) रेलों पर अपराधों में वृद्धि समीपवर्ती क्षेत्रों में 'कानून और व्यवस्था' की स्थिति का परिणाम है ।

अचानक छापे मारने और अपराधियों को पकड़ने के लिए बिहार पुलिस ने विशेष उपाय किये हैं और इसके लिए सरकारी रेलवे पुलिस के अधिकारी और बिहार सैनिक पुलिस के सशस्त्र दस्ते तैनात किये गये हैं । रात में चलने वाली सभी सवारी

गाड़ियों में सरकारी रेलवे पुलिस का पहरा रहता है। इसके अलावा प्रभावित क्षेत्रों में में बिहार सैनिक पुलिस की सशस्त्र टुकड़ियां भी गाड़ियों में चलती हैं।

Foreign Collaboration

*287. SHRI HARDAYAL DEVGUN :
SHRI D.R. PARMAR :
SHRI K.P. SINGH DEO :
SHRI RABI RAY :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have decided to allow foreign collaboration even in low priority and non-essential fields of industry ;

(b) if so, the details thereof ; and

(c) the reasons for the change in policy in regard thereto ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F.A. AHMED) : (a) to (c). Foreign collaboration is normally not allowed in low priority and non-essential fields of industry. However, as a part of the measures to promote exports of non-traditional industrial products from India, Government have recently decided that a relaxation may be made in the above policy where the foreign collaborator agrees to under-write a *major* share of the production for exports.

Labour Trouble in Durgapur Steel Plant

*288. SHRI SITARAM KESRI : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that throughout the year 1968, there were persistent labour troubles at the Durgapur Steel Plant ;

(b) if so, the reasons therefor ; and

(c) the steps taken by Government to remove the grievances of the employees ?

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI C.M. POONACHA) : (a) and (b). The labour situation, although better in 1968 compared to what it was in 1967, has not been satisfactory. The main reason is the inter-union rivalry between the Hindustan Steel Workers Union and the Hindustan Steel Employees Union;

(c) A Grievances Procedure is in existence and any genuine grievances of the employees are always given the fullest consideration.

Working of Soviet—Aided Projects to full capacity

*289. SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI :
SHRI D.C. SHARMA :
SHRI BENI SHANKER SHARMA :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Soviet Economic Delegation which visited India recently had advised Government to step up public sector investment so as to enable Soviet-aided projects to work to full capacity ; and

(b) if so, what measures have been adopted so as to help these projects to work to full capacity ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

A Soviet Delegation headed by Mr. S.A. Skachkov, Chairman, State Committee of the USSR Council of Ministers for Foreign Economic Relations, visited India during November-December, 1968 and held discussions covering various problems facing Soviet-aided projects in India during their present phase. On the conclusion of the visit, a protocol was signed between the two sides in which the Soviet authorities agreed to assist it certain measures designed to